

बन्धकरण (बन्ध + 2. क०) n. das Binden, Fesseln, Zurückhalten, Hemmen (in übernatürlicher Weise) KATHĀS. 49, 25. 28.

बन्धकर्तार (बन्ध + क०) nom. ag. Binder, Fesseler, Zurückhalter MBH. 13, 1214.

बन्धदेश m. N. pr. eines Landes Verz. d. Oxf. H. 332, b, 16.

बन्धन (von बन्ध्) 1) adj. f. ई bindend, festhaltend, hemmend: ननु कस्या नामाश्वबन्धनी रज्जुः ITH. bei ŚĀ. zu RV. 4, 123, 1. के ते अग्रे रिपवे बन्धनासः RV. 5, 12, 4. बाल० PAR. GRHJ. 1, 16. बन्धनस्त्वमसुराणां युधि शत्रुविनाशनः MBH. 13, 1176. 1214. भाव० (प्रेमन्) die Herzen fesselnd RAGH. 3, 24. हृदयस्य बन्धनः (मन्त्र) P. 4, 4, 96, Sch. — 2) n. a) das Binden, Fesseln, Anbinden, Umbinden, Verbinden: Verband AK. 2, 8, 4, 26. H. 439. P. 4, 4, 78 (HALĀJ. 3, 53). मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने Spr. 337. कर्चरणयोर्बन्धनं कृत्वा DHŪRTAS. 93, 9. दारुबन्धनरज्जुः PAÑKĀT. 10, 10. AK. 2, 9, 15. SUCR. 4, 23, 15. 33, 13. ब्रण० 63, 13. 98, 5. 2, 27, 1. ०कर 4, 134, 9. मौञ्जि० M. 2, 169. fgg. JĀGĀ. 4, 39. मेखलाभिरसकृच्चापि बन्धनम् — श्रवाप सः RAGH. 19, 17. KUMĀRAS. 3, 39. घटय भुजबन्धनम् so v. a. umarme Gtr. 10, 3. हृदयस्य P. 4, 4, 96. das Binden so v. a. Gefangennahme, das Einfangen; Gefangenschaft HALĀJ. 3, 4. जाल० HIT. 16, 14. मृगपक्षिणाम् AK. 2, 10, 26. H. 931. M. 10, 49. गजभुजगमयोः Spr. 811. कोकिल० 3713. नृणाम् MBH. 4, 201. PRAB. 78, 3. M. 12, 75. बन्धनानि च कष्टानि 78. Spr. 704. 2644. दश वर्षाणि zehnjährige Gefangenschaft RĀGĀ-TAR. 2, 90. 3, 147. BHĀG. P. 3, 7, 9. 8, 13, 2. KATHĀS. 28, 183. 37, 41. भोजेन्द्रबन्धने in der Gefangenschaft bei Bh. BHĀG. P. 3, 2, 25. यो बन्धनवधक्तेशान्प्राणिनां च चिकीर्षति M. 3, 46. तासां बन्धनं स न्यवारयत् KATHĀS. 39, 229. प्राप्नोति कुरन्द्ध्यं बन्धनं यदि वा वधम् MBH. 4, 131. PAÑKĀT. 107, 24. बन्धनमायाति प्रुकाः Spr. 844. स नः पितामहे नीतो विजुना दीर्घबन्धनम् KATHĀS. 10, 40. 142. विगतं हि बन्धनं वः 37, 48. समय० adj. MĀRK. P. 80, 11. तोषो बन्धनात् (in philos. Sinne) MBH. 14, 532. (तम्) प्रसक्त बन्धने बद्धा 1, 4993. R. 5, 12, 3. (तम्) राज्ञा क्रोधेनो बन्धने व्यधात् RĀGĀ-TAR. 3, 104. बन्धनानि च सर्वाणि राज्ञा मार्गे निवेशयेत् Gefängnisse M. 9, 288. निजग्राह् (तम्) चौरवद्वाढबन्धने (so ist wohl st. ०बन्धनं zu lesen) HARIV. 9109. निर्गत्य बन्धनात् KATHĀS. 49, 107. तन्मुच्यतां पञ्जरबन्धनादयं पती PAÑKĀT. 192, 15. गृह्यकाः प्रुकाः पञ्जरादिबन्धनेन परतस्वीकृताः durch das Gefangenhalten in Käfigen P. 3, 1, 119, Sch. das Binden so v. a. Hemmen: प्रकरोति दाडिमफलव्याजिनं वागबन्धनम् (beim Papageien) Spr. 1109. = वध Tödtung MED. n. 97. = हिंसा Leidszufügung ÇANDAR. im ÇKDR. — b) das Zusammenfügen: सेताः ब० und सेतु० das Errichten eines Dammes, — einer Brücke MBH. 3, 282 in der Unterschr. R. 1, 3, 32. 5, 93, 43. fgg. 6, 1, 3. KUMĀRAS. 4, 6. अस्माभिर्मिथमानं तु मर्यादामेतुबन्धनम्। भेत्स्यत्यशङ्किता दैत्याः coner. Damm in übertr. Bod. HARIV. 7261. तडागानां ब० das Eindämmen MBH. 13, 2972. दशानो क्रेत्सीतां बन्धनं स्यान्महेदधेः das Fesseln und zugleich das Ueberbrücken Spr. 799. 4200. Verbindung (von Metallen) so v. a. Legirung Verz. d. Oxf. H. 321, 3 v. u. — c) Verbindung, Zusammenhang: श्राद्धस्ते त्रीणि दिवि बन्धनानि RV. 4, 163, 3. सकृपबन्धना कार्यः सकृपाशार्थबन्धनाः। अन्योऽन्यबन्धनावेतौ विनान्योऽन्यं न सिध्यतः ॥ so v. a. abhängig von MBH. 5, 1371. — d) das Heften, Richten auf: धारणा तु क्वचिद्वेपे चित्तस्य स्थिरबन्धनम् H. 84. — e) Band, Strick, Fessel AK. 3, 3.

V. Theil.

14. H. 1274. MED. HALĀJ. 2, 122. किंवा नौरिव् बन्धनात् AV. 3, 6, 7. 6, 14, 2. अश्वस्य ÇAT. Br. 13, 1, 2. TBR. 3, 8, 2. 4. KĀND. UP. 6, 8, 2. ऊर्ध्व० NIR. 12, 38. SUCR. 1, 341, 18. ङाट० R. 1, 4, 20. गलितबन्धनकेशपाशा KĀURAP. 17. इन्द्रध्वज इवात्सृष्टे यत्ननिर्मुक्तबन्धनः MBH. 7, 3407. जलगन्धेभ० RĀGĀ-TAR. 5, 107. AK. 3, 4, 34, 160. युगमोपातबन्धनम् H. 736. पुरुषं परिमुक्तबन्धनं करोति ÇĀK. 73, 11. बन्धनं हेतुम् HIT. 13, 7. 11. 21, 15. 43. 17. कपोता मुक्तबन्धनाः Spr. 2472. गरुडापातविस्मिष्टमेघनादास्त्र० RAGH. 12, 76. अश्व० KATHĀS. 43, 158. मोक्षितं, मोक्ष, मोक्षयितुं बन्धनात् HARIV. 9039. MĀLAY. 7. RAGH. 3, 20. Spr. 4234. HIT. 23, 11. सर्वे ते बन्धनावागास्त्यज्यताम् RĀGĀ-TAR. 3, 23. विधुत० adj. 26. कर्चरणयोर्बन्धनमपनीय DHŪRTAS. 96, 1. कण्ठसक्तमृडबाहु० RAGH. 19, 29. असत्यकण्ठार्पितबाहुबन्धना KUMĀRAS. 3, 57. समस्तभावैः खलु बन्धनं स्त्रियः Spr. 3319. VĀDDHĀ-KĀN. 13, 17. अन्नं प्राणस्य बन्धनम् Speise hält das Leben (im Leibe) fest KAUC. 89. तामु मे हृदयं कृष्णं संजातं कामबन्धनम् durch Liebe an sie gefesselt MBH. 3, 4765. लोकौ ऽयं कर्मबन्धनः BHAG. 3, 9. राघवस्यैकबन्धनात् R. 2, 90, 9. Nach COLEBR. und LOIS. zu AK. 2, 9, 74 auch बन्धनी f. — f) Band so v. a. Sehne, Muskel: मथितास्थि० R. 5, 42, 20. मुक्तचर्मास्थि० HARIV. 9344. अश्व० (गात्र) HIT. 6, 8. कठिनस्कन्ध० HARIV. 4101. निःसृते सायुधधारे तस्य नेत्रे सबन्धने 4730. 4310. — g) Stiel (einer Frucht, einer Blüthe) RV. 7, 59, 12. ÇAT. Br. 14, 7, 1, 41. MBH. 13, 4312. ÇĀK. 143. — Vgl. अ०, काय०, गजबन्धनी, नौबन्धन, पाद०, पाश०, पूत०, प्रसव०, मणि०, मुख०, शीर्ष०, सु०, क्षिरण्य०.

बन्धनग्रन्थि (ब० + ग्र०) m. Schlinge H. 931. HALĀJ. 2, 442.

बन्धनपालक (ब० + पा०) m. Gefängniswärter VJUP. 97.

बन्धनवेश्मन् (ब० + वे०) n. Gefängnis HĀR. 199.

बन्धनस्थ (ब० + स्थ) adj. in der Gefangenschaft seiend, — lebend, gefangen; m. ein Gefangener: बन्धनस्थो ऽपि मातङ्गः सकृन्मरणतमः Spr. 4606. मुच्यतां सर्वे ऽस्याः MĀLAY. 71, 22. वा (अमर) कार्यामि कमलोदरबन्धनस्थम् ÇĀK. 147.

बन्धनस्थान (ब० + स्थान) n. Stall (der Ort, wo das Vieh angebunden steht) PAÑKĀT. 224, 8.

बन्धनागार (ब० + अगार oder आ०) Gefängnis MĀKĀH. 66, 25. MIT. 47, 9. DAÇAK. in BENF. Chr. 197, 17.

बन्धनालय (ब० + आलय) m. dass. AK. 2, 8, 2, 87.

बन्धनीय (von बन्ध्) adj. 1) was angebunden wird, anzubinden, anzubinden: आभरण Cit. beim Schol. zu ÇĀK. 80. शिखा KATHĀS. 3, 119. — 2) gefangen zu nehmen: प्रौढ एव त्रितीयाः समरभुवि ऽयाः Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 9, Çl. 33. — 3) was zu dämmen ist: बन्धुर्बन्धनीयान् (sc. देशान्) R. 2, 80, 10 (87, 14 GORR.). Nach dem Schol. = सेतु Damm.

बन्धमोचनिका (ब० + मो०) f. N. pr. einer Jogini (die von Banden Befreiende) KATHĀS. 37, 155. Auch ०मोचिनी 158. 159. 161.

बन्धपितर (vom caus. von बन्ध्) nom. ag. Anbinder, Festbinder: अ-बद्धनामश्चादीनाम् KULL. zu M. 8, 342.

बन्धस्तम्भ (ब० + स्त०) m. der Pfosten, an den ein Elephant angebunden wird, AK. 2, 8, 2, 9. H. 1230.

बन्धित्र n. der Liebesgott (neutr.!) UNĀDIK. im ÇKDR. Leberfleck, Muterma (चर्मव्यञ्जन) UNĀDIVR. im SAMKSHIPTAS. ÇKDR. — Vgl. वधित्र.